हैदराबाद पहुंची टीम योगी को मिली बड़ी सफलता, इतने करोड़ का साइन हुआ MOU

हैदराबाद में रोड शो की अगुवाई डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने की, जबकि उनके साथ कैबिनेट मिनिस्टर बेबी रानी मौर्य, राज्य मंत्री अरुण कुमार सक्सेना, दयाशंकर मिश्रा और मुख्यमंत्री के सलाहकार जीएन सिंह समेत यूपी के अधिकारियों की टीम मौजूद रही।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक व अन्य

हैदराबाद: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में अलग-अलग राज्यों के बड़े शहरों में आयोजित किए जा रहे रोड शो से प्रदेश में बड़े निवेश आने का सिलसिला जारी है। बुधवार को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में टीम योगी ने रोड शो किया, जिसके माध्यम से 19 निवेशकों ने 25 हजार करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इन एमओयू के माध्यम से प्रदेश में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से 32 हजार से ज्यादा रोजगार के अवसर सृजित होंगे। वहीं कई अन्य निवेशकों ने हजारों करोड़ के निवेश की इच्छा जाहिर की।

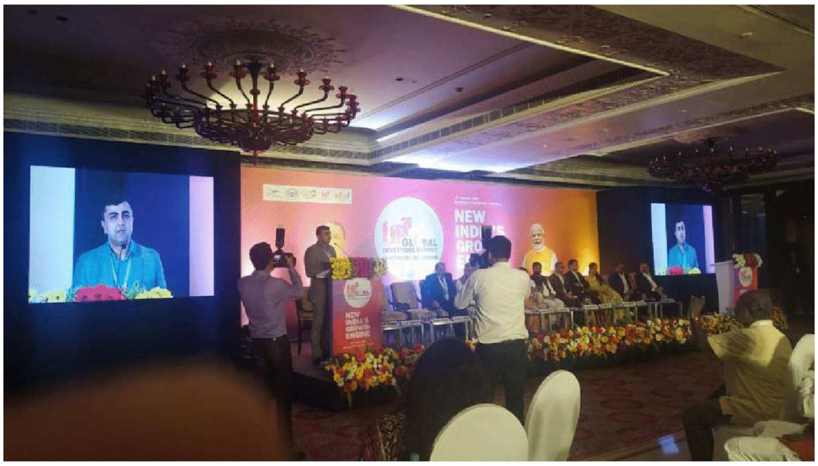

हैदराबाद पहुंची टीम योगी को मिली बड़ी सफलता

ये निवेशक आगामी फरवरी में राजधानी लखनऊ में होने वाले यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में सम्मिलित होकर अपने निवेश को अंतिम रूप देंगे। हैदराबाद में रोड शो की अगुवाई डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने की, जबकि उनके साथ कैबिनेट मिनिस्टर बेबी रानी मौर्य, राज्य मंत्री अरुण कुमार सक्सेना, दयाशंकर मिश्रा और मुख्यमंत्री के सलाहकार जीएन सिंह समेत यूपी के अधिकारियों की टीम मौजूद रही।

करोड़ों का साइन हुआ MOU

100 करोड़ से ज्यादा के 12 एमओयू

रोड शो से पहले पूरे दिन बिजनेस टू गवर्नमेंट (बीटूजी) मीटिंग्स का दौर चला। इस दौरान हैदराबाद के दो दर्जन से अधिक निवेशकों ने उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल से यूपी में निवेश के अवसरों, नीतियों के तहत मिल रहीं तमाम तरह की राहतों और छूट के बारे में जानकारी ली। इसके बाद 19 निवेशकों ने एमओयू फाइनल किए। इनमें 12 एमओयू 100 करोड़ या इससे ज्यादा के रहे। वहीं 6 एमओयू एक हजार करोड़ या इससे ज्यादा के हुए। सबसे बड़ा एमओयू मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लि. की ओर से किया गया जो 15,500 करोड़ रुपए का रहा।

4 सेक्टर में 15,500 करोड़ खर्च करेगी मेघा इंजीनियरिंग

मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने प्रदेश में 15,500 करोड़ के निवेश का एमओयू साइन किया है। यह निवेश 4 श्रेणियों में होगा। कंपनी के डायरेक्टर बी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि योगी सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर हम प्रदेश में निवेश करने जा रहे हैं। पहला निवेश इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में होगा, जिसके लिए हम 10 हजार करोड़ रुपए खर्च करेंगे। वहीं एक कंप्लीट फॉर्मा सिटी विकसित करने के लिए भी हम 2 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेंगे। इसके अलावा 1500 करोड़ रुपए हम मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में खर्च करेंगे, जिसके तहत मेडिकल इक्विपमेंट की मैन्युफैक्चरिंग करेंगे। साथ ही, हमारी ईवी मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में भी 2000 करोड़ रुपए के निवेश की योजना है। इस निवेश से 10 हजार से ज्यादा प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

पल्सेज हेल्थकेयर करेगा 2000 करोड़ का निवेश

हैदराबाद के पल्सेज हेल्थकेयर ग्रुप ने भी प्रदेश में 2000 करोड़ रुपए के निवेश का एमओयू साइन किया है। निवेश की शुरुआत 500 करोड़ से होगी और आगामी तीन वर्षों में वह इस निवेश को बढ़ाकर 2000 करोड़ तक ले

जाएंगे। कंपनी के सीईओ श्रीनूबाबू गदेला ने बताया कि उनकी कंपनी मेडिकल पब्लिशिंग को लेकर कार्य कर रही है। कंपनी 1400 से ज्यादा मेडिकल जर्नल प्रकाशित कर चुकी है। वह न सिर्फ अंग्रेजी बल्कि अन्य इंटरनेशनल भाषाओं का भी हिंदी में अनुवाद करती है। वह अपनी कंपनी का ऑफिस ग्रेटर नोएडा या वाराणसी में खोलने को लेकर इच्छुक हैं। अधिकारियों ने उन्हें ऑफिस और जरूरत पड़ने पर भूमि दिलाने का आश्वासन दिया है।

मेडिकल और एनर्जी के क्षेत्र में भारी निवेश

प्रदेश में मेडिकल के क्षेत्र में निवेश के लिए एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी (एआईजी) प्रा. लि. ने भी अपनी इच्छा जाहिर की है। इसके लिए उनकी ओर से 1500 करोड़ रुपए का एमओयू साइन किया गया है। वहीं रिएलिटी के क्षेत्र में हैदराबाद में वर्षों से काम कर रही वसई रिएलिटी प्रा. लि. ने भी प्रदेश के रिएलिटी सेक्टर में प्रवेश करने का मन बनाया है। उसकी ओर से 1200 करोड़ रुपए का एमओयू साइन किया गया है। इसी तरह उत्तर प्रदेश में सोलर एनर्जी के क्षेत्र में पहले से ही यूपी में काम कर रही फोर्थ पार्टनर एनर्जी प्रा. लि. ने एनर्जी के क्षेत्र में प्रदेश सरकार के अधीन अपनी भागीदारी को विस्तार देने के लिए 1200 करोड़ रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इसी तरह त्रिवेणी रिन्यूएबल्स ने भी एनर्जी के क्षेत्र में 1200 करोड़ रुपए के निवेश के लिए समझौता ज्ञापन पर सहमति जताई। एनएसएल शुगर्स लि. प्रदेश में शुगर सेक्टर में 500 करोड़ रुपए का निवेश करेगा।

कई अन्य एमओयू भी हुए साइन

सुधाकर पीवीसी प्रोडक्ट्स प्रा. लि. के डायरेक्टर मीला जयदेव ने प्रदेश में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने के लिए 125 करोड़ रुपए के निवेश का एमओयू साइन किया। मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के लिए कंपनी को 25 एकड़

जमीन की आवश्यक्ता होगी। इसके लिए टीम योगी की ओर से उन्हें इलाहाबाद या चित्रकूट रीजन में भूमि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया है। इसके अलावा हैदराबाद के एक स्टार्ट-अप इंस्टाशील्ड ने भी प्रदेश में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट डालने के लिए 20 करोड़ रुपए का एमओयू किया है। सस्ती दरों पर आईटी सॉल्यूशंस देने के लिए इवोल्जेंस टेलीकॉम सिस्टम्स के सीईओ श्रीकांत पिलारीसेट्टी की ओर से 10 करोड़ रुपए का एमओयू साइन किया गया तो वहीं, पैमटेन इंक के वाइस प्रेसीडेंट उदय शंकर पेय्येटी ने भी आईओटी के लिए 10 करोड़ का एमओयू साइन किया। वहीं, कनाडा बेस्ड कंपनी कॉलियर्स ने प्रदेश में इंडस्ट्रियल पार्क निर्माण के लिए 300 करोड़ के निवेश की इच्छा जताई।

यूपी में अब 3 महीने का प्रॉसेस 3 दिन में होता है

माइक्रोसॉफ्ट इंडिया डेवलपमेंट सेंटर के एमडी राजीव कुमार ने रोड शो के दौरान कहा कि यूपी ने मेरा परसेप्शन बदल दिया है। जो प्रॉसेस तीन महीने में होता था वो अब यहां मात्र तीन दिन में हो जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यहां निवेशकों को अफसरों का पूरा सपोर्ट मिल रहा है। हम उत्तर प्रदेश में 2200 करोड़ की लागत से भारत का दूसरा माइक्रोसॉफ्ट डेवलपमेंट सेंटर बना रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि यह दुनिया का सबसे शानदार माइक्रोसॉफ्ट डेवलपमेंट सेंटर साबित होगा। वहीं सुराना सोलर लि. के एमडी नरेंद्र सुराना ने कहा कि यूपी में अब क्लियरेंस में समय नहीं लगता। यूपी सरकार के साथ हम सोलर के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। अब हमें यूपी के टूरिज्म सेक्टर में निवेश की इच्छा है। हम फरवरी में निश्चित रूप से 250 करोड़ रुपए का एक एमओयू दाखिल करेंगे।

ये रहे बड़े निवेशक

निवेशक (कंपनियां)	**एमओयू (राशि)**
मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लि.	15,500 करोड़
पल्सस ग्रुप	2000 करोड़
एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी प्रा. लि.	1500 करोड़
वसई रिएलिटी प्रा. लि.	1200 करोड़
फोर्थ पार्टनर एनर्जी प्रा. लि.	1200 करोड़
त्रिवेणी रिन्यूएबल्स प्रा. लि.	1200 करोड़
एनएसएल शुगर्स लि.	500 करोड़
मरीन कार पार्क्स	350 करोड़
स्कालर	250 करोड़
इकोलास्टिक प्रोडक्ट्स प्रा. लि.	150 करोड़
सुधाकर पीवीसी प्रोडक्ट्स	125 करोड़
एटलस फाइनेंशियल रिसर्च एंड कंसल्टिंग प्रा. लि.	100 करोड़

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा, "हैदराबाद से यूपी का पुराना नाता है। 1916 में बीएचयू की स्थापना के लिए निजाम ने एक लाख रुपए दिए थे। इसीलिए हम दोनों राज्यों के इस रिश्ते को निभाने और निवेशकों को आमंत्रित करने यहां आए हैं। यहां जो रिस्पॉन्स मिला वो हौसला बढ़ाने वाला था। तेलंगाना औद्योगिक क्षेत्र में काफी विकसित हुआ है तो यूपी भी बदलाव के दौर से गुजर रहा है। यूपी में जो सुधार और बदलाव हुआ है वो निवेशकों के लिए सुरक्षित और संभावनाओं वाला है। हम तेलंगाना के निवेशकों का यूपी में स्वागत करते हैं।"